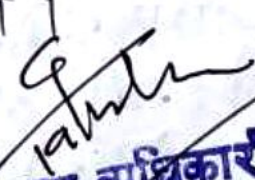


दिनांक 30.12.2020 को जर्सी की  
 माता छोपी देवी को होने का कथन  
 गलत है एवं असुनीकार है। जर्सी एवं  
 उसकी माता छोपी देवी के मानी पूर्वक  
 अनुचित मांग की पूर्ति नहीं होने के  
 कारण गलत तथ्यों के आधार पर  
 उक्त आवेदन अमान्य न्यायालय में  
 उद्धृत किया है जो जानिये के खारीक  
 है। जहाँ बाबू 05 भारतीय म्याद  
 अधिनियम सुनी गई। उक्त दृष्टया यह  
 स्पष्ट है कि अपीलवाला जर्सी को नियम-  
 वस्तु का हानि वर्ष 2014 से या  
 सुप्रीम कोर्ट की स्थापित व्यवस्था के  
 अनुसार तकनीकी छूट से मिली जर्सी  
 अपीलवाला का एक अधिकार अमान्य नहीं  
 होने तथा वह उक्त आराजी में अपीलवाला  
 का एक-दिलसा निहित होना उचित होता  
 है अतः न्यायालय में जर्सी का पत्र बाबू  
 05 भारतीय म्याद अधिनियम सुनीकार  
 किया जाकर अपील अन्तर्गत बाबू  
 05 LR Act अन्तर् म्याद माना जाकर  
 सुनवाई होगी एवं जर्सी का पत्र बाबू  
 05 भारतीय म्याद अधिनियम सुनीकार किया जाता है।  
 पत्रावली केवल सुधार होकर  
 दर्ज नमूने से ऊपर की जाकर दायिम  
 दफ्तार हो।

  
 उपखण्ड अधिकारी  
 बंदर (राज०)